प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए
सत्र 14: एक दूसरे से प्यार करो (6c)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **1 कुरिन्थियों 13:4-5ए**
4 "प्रेम धैर्यवान और दयालु है; प्रेम ईर्ष्या या घमंड नहीं करता; यह अहंकारी 5 या असभ्य नहीं है"।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* ***- 1 कुरिन्थियों 13***

चरण 4*:* व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

एक. विचार करें कि जब एक विश्वासी वास्तव में मसीह के शरीर/चर्च में प्रवेश करता है।

दो. मसीह का छुड़ाया हुआ समुदाय उन लोगों का एक स्वस्थ शरीर होना है जो टूटे हुए भी स्वयं के लिए मर गए हैं और मसीह के प्रति पूर्ण समर्पण में हैं।

तीन. ईसाई चर्च में एकता क्यों आवश्यक है?

चार. लेखक कहता है कि शरीर में फूट घमंड (ईर्ष्या) के पाप का परिणाम है।

पाँच. क्या आप समझते हैं कि एक शिष्य के लिए समुदाय के लाभ इतने महान हैं कि इसके बिना जीवित रहना लगभग असंभव है?

चरण 5*: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 6c लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:

समुदाय अन्य विश्वासियों के साथ आपका लिंक है

एक शिष्य दूसरों के बिना "एक दूसरे से प्रेम करने" के लिए मसीह की आज्ञा का पालन कैसे कर सकता है जो उसके प्रेम का उद्देश्य हो सकता है? कोई भी ईसाई अन्य ईसाइयों के बिना स्वस्थ नहीं हो सकता है। यही कारण है कि प्रत्येक विश्वासी परिवर्तन पर तुरंत शरीर में प्रवेश करता है। "अब तुम मसीह की देह हो, और व्यक्तिगत रूप से उसके सदस्य हो...। क्योंकि एक आत्मा के द्वारा हम सब को एक शरीर में बपतिस्मा दिया गया था..." (1 कुरिन्थियों 12:27,13, इटैलिक जोड़ा गया)। स्थिति में, प्रत्येक ईसाई मसीह के छुड़ाए गए समुदाय का सदस्य है। बाइबल कभी भी कार्य के बिना स्थिति की संभावना को संबोधित नहीं करती है। शरीर के साथ व्यावहारिक संबंध के बिना ईसाई जीवन जीने का प्रयास करना सबसे अच्छी तरह से जोखिम भरी अटकलें हैं। नतीजतन, प्रत्येक शिष्य के लिए एक स्वस्थ, कार्यशील ईसाई शरीर से संबंधित होना सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक स्वस्थ ईसाई शरीर एकता की विशेषता है। यह उन शिष्यों से बना है जो स्वयं के लिए मर चुके हैं और मसीह के प्रति पूर्ण समर्पण में हैं। वे इस ज्ञान में आराम करते हैं कि उसने "शरीर के अंगों को व्यवस्थित किया है, उनमें से हर एक को, जैसा वह चाहता था" (1 कुरिन्थियों 12:18)। प्रेरितों के काम की पुस्तक ईसाई चर्च में एकता की केंद्रीयता का दस्तावेजीकरण करती है। प्रारंभिक विश्वासी एक घनिष्ठ परिवार थे। जब पतरस ने पिन्तेकुस्त में प्रचार किया, तो अन्य प्रेरित उसके साथ खड़े थे (प्रेरितों के काम 2:14)। पहली सदी के शिष्यों ने एक साथ सीखा, खाया, संगति की और प्रार्थना की (प्रेरितों के काम 2:42)। उनमें "सब कुछ समान था" (प्रेरितों के काम 2:44)। एक स्वस्थ शरीर का कोई भी हिस्सा स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकता है। मेरी दैनिक जॉगिंग बहुत खराब हो जाएगी यदि मेरे पैर एक-दूसरे के साथ सहयोग करने से इनकार कर देते। यदि मेरा दाहिना पैर आगे बढ़ने पर जोर देता है, जबकि मेरा बायां पैर पीछे की ओर जाता है, तो मैं अपने चेहरे पर गिर जाता।

मसीह के शरीर के प्रत्येक सदस्य के शब्दों और कार्यों को विश्वासियों के बीच एकता को बढ़ावा देना चाहिए। एकता संगति के माध्यम से विकसित होती है; नियमित, ईमानदार संचार; और स्वतंत्र रूप से क्षमा देना और प्राप्त करना। एक शिष्य शरीर के कल्याण के लिए अपनी भलाई का त्याग करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि वह जानता है कि एकता परमेश्वर की महिमा लाएगी। एकता समुदाय का उद्देश्य और फल दोनों है। वर्ल्ड इम्पैक्ट में हम समूहों में तैयारी करते हैं, टीम सिखाते हैं, काम करते हैं, एक साथ रहते हैं और आराम करते हैं। यह हमारी एकता को मजबूत करता है और हमारे ईसाई विकास और मंत्रालय को बढ़ाता है। हमारे छात्र और पड़ोसी ईसाई प्रेम के बारे में यह देखकर बहुत अधिक सीखते हैं कि हम जो कहते हैं उसे सुनकर हम एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं। दुनिया हमारी एकता के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को समझती है (यूहन्ना 17:21-23)। शरीर के भीतर अधिकांश फूट गर्व पर आधारित है। हम अपने अधिकारों की मांग करना शुरू करते हैं और अपने समय की रक्षा करते हैं, यह भूल जाते हैं कि जब हम क्रूस पर मसीह से मिले थे तो हमने परमेश्वर के साथ शांति के लिए इनका आदान-प्रदान किया था। हम मनुष्यों की प्रशंसा प्राप्त करना चाहते हैं, बजाय इसके कि हम जो कुछ भी करते हैं उसके माध्यम से परमेश्वर की महिमा करें। यीशु ने फरीसियों की निंदा की, "क्योंकि वे परमेश्वर की स्वीकृति से अधिक मनुष्यों की स्वीकृति से प्रेम करते थे" (यूहन्ना 12:43)। अभिमान आत्म-मृत्यु से इनकार है और परमेश्वर के लोगों के बीच इसका कोई स्थान नहीं है। अभिमान का एक खतरनाक रूप ईर्ष्या है। ईर्ष्या एक शरीर को अपंग कर देती है जिसे प्रभावी ढंग से परमेश्वर की सेवा करने के लिए अपने सभी सदस्यों के बीच सहयोग होना चाहिए। याकूब 3:16 चेतावनी देता है, "क्योंकि जहां ईर्ष्या और स्वार्थी महत्वाकांक्षा होती है, वहां अव्यवस्था और हर बुरी बात होती है।" मैं समझता हूं कि एक ईसाई शरीर में ईर्ष्या कैसे रेंग सकती है। यहां तक कि यह पुस्तक भी विभाजन का कारण बन सकती है। आप देखिए, जब मैं लेखक हूं, तो मुझे हमारे निदेशकों और कुछ अन्य नेताओं के सुझावों से बहुत लाभ हुआ है। फिर हमारे लॉस एंजिल्स के पांच कर्मचारियों ने इसे संपादित करने में मेरी मदद की। अन्य चार लोगों ने पांडुलिपियों को टाइप करने में निस्वार्थ भाव से काम किया। इनमें से कोई भी योगदानकर्ता कह सकता है, "मैंने उसमें जो भी काम किया है, उसे देखो, और कोई कभी नहीं जान पाएगा। कीथ को सारा श्रेय मिलता है। ईर्ष्या। लेकिन क्योंकि ये शिष्य जानते हैं कि परमेश्वर, कीथ नहीं, सारी महिमा प्राप्त करता है, ईर्ष्या टल जाती है। परमेश्वर आत्मा में टूटे हुए लोगों का उपयोग करता है, विनम्र हृदय के साथ, व्यक्तिगत प्रशंसा में कोई दिलचस्पी नहीं है, केवल मसीह के क्रूस में महिमा करते हैं। "देखो, भाइयों के लिए एकता में एक साथ रहना कितना अच्छा और कितना सुखद है!" " (भजन संहिता 133:1 केजेवी)। एक कार्यशील ईसाई शरीर अपने सभी सदस्यों में परिपक्वता को प्रोत्साहित करना चाहता है। चूंकि शरीर अपने सबसे कमजोर हिस्से से अधिक मजबूत नहीं है, इसलिए इसका स्वास्थ्य प्रत्येक सदस्य की भलाई पर निर्भर करता है। रोमियों 12:5 कहता है, "इसलिए हम, जो बहुत हैं, मसीह में एक शरीर हैं, और व्यक्तिगत रूप से एक दूसरे के अंग हैं। शरीर के अंगों के बीच का संबंध इतना घनिष्ठ है कि जो एक को प्रभावित करता है, वह सभी को प्रभावित करता है। एक बार मैं एक छोटी नाव में एक दोस्त के साथ नौकायन करने गया था। जब हम लौटे, तो उसने मुझे नाव को घाट पर धातु के क्लीट से बांधकर घाट से टकराने से रोकने के लिए कहा। नंगे पैर और खुश करने के लिए उत्सुक, मैं नाव से बाहर कूद गया, हाथ में रस्सी थी। दुर्भाग्य से, मेरे बड़े पैर के अंगूठे ने उस ठोस रूप से सुरक्षित क्लीट को उखाड़ने की कोशिश की- लेकिन क्लीट हिल नहीं पाया। मेरा पैर का अंगूठा दर्द से धड़क रहा था। मैंने रस्सी गिरा दी और नाव गोदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। तुरंत, मेरे शरीर के हर अंग, अंग और संकाय ने मेरे पैर की अंगुली की दुर्दशा पर अपना अविभाजित ध्यान केंद्रित किया। मेरा पेट अब दोपहर के भोजन के बारे में चिंतित नहीं था। मेरे मुंह ने अनाड़ी होने के लिए मेरे पैर के अंगूठे को दंडित नहीं किया। मेरा हाथ अब रस्सी को सुरक्षित करने के लिए उत्सुक नहीं था। मेरे सिर को नाव को होने वाले नुकसान की परवाह नहीं थी। मेरे शरीर का हर हिस्सा मेरे पैर की अंगुली के कल्याण के बारे में बेशर्मी से चिंतित था। जब मेरे पैर के अंगूठे में दर्द होता था, तो मेरे पूरे शरीर में दर्द होता था। तो यह मसीह के शरीर में है। हम इतनी घनिष्ठ संगति में हैं कि जब एक सदस्य को चोट पहुँचाता है, तो हम सभी को चोट पहुँचाती है; जब एक अंग आनन्दित होता है, तो हम सभी आनन्दित होते हैं (रोमियों 12:15)। एक आहत मसीही समुदाय से अपने संघर्षों को रोक नहीं सकता है। उसके बोझ, दिल के दर्द और चिंताओं को तुरंत शरीर के माध्यम से सिर तक पहुंचाया जाता है, जो एक उचित प्रतिक्रिया का समन्वय करता है। शरीर क्षमा और उपचार के माध्यम से शुद्धिकरण के लिए हर कमजोरी और चोट को अपने स्वयं के रक्तप्रवाह में प्रवाहित करके स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। केवल एक बीमार शरीर में ही इस अंतरंगता का अभाव होता है। एक परिपक्व शरीर के सदस्यों ने "चर्च जाने" के अधूरे विचार से बाइबिल की शिक्षा तक स्नातक किया है कि वे चर्च हैं। मसीह में, शिष्यों को "एक निवास स्थान बनने के लिए एक साथ बनाया जा रहा है जिसमें परमेश्वर अपनी आत्मा के द्वारा रहता है" (इफिसियों 2:22)। अब ईंटों और मोर्टार द्वारा संयमित नहीं, चर्च व्यापार की दुनिया में, स्कूल में और पड़ोस में पूरी ताकत से कार्य करता है। पूजा रविवार की सुबह तक ही सीमित नहीं रह जाती है। हर कार्य, शब्द और विचार भगवान की पूजा के रूप में पेश किया जाता है।

एक शिष्य के लिए समुदाय के लाभ इतने महान हैं कि इसके बिना जीवित रहना लगभग असंभव है। एक शिष्य और कहाँ धर्मी पुरुषों के अधीन हो सकता है जो उसे अच्छी तरह से जानते हैं? उसे और कहाँ पोषित किया जा सकता है और उसके ईसाई विकास और परिपक्वता के लिए प्यार से जवाबदेह ठहराया जा सकता है? वह दूसरों के जीवन को देखकर मसीह के समान और कहाँ बन सकता है? वह और कहाँ मीठी और शुद्ध संगति का अनुभव कर सकता है? वह अपने पड़ोसी के प्रेम में इतना सुरक्षित कहाँ हो सकता है कि वह दूसरों से प्रेम करने के लिए स्वतंत्र हो सकता है, भले ही परमेश्वर उससे प्रेम करता है? वह और कहाँ उस कोरस से संबंधित हो सकता है जो एक स्वर के साथ सृष्टिकर्ता की स्तुति और आराधना का निरंतर गान गाता है? दुनिया के लिए उसकी गवाही इतनी उज्ज्वल कहाँ हो सकती है? वह और कहाँ शिष्य हो सकता है?

पेज 67-71

शिष्यों की चेकलिस्ट - एक दूसरे से प्यार करें
अन्य ईसाइयों के लिए ___My प्रेम स्पष्ट है।
___I अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य के लिए परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार कर लिया है।
___I ने खुद को माफ कर दिया है, भगवान की क्षमा के आधार पर।
___I दूसरों को आसानी से माफ कर दें।
___I दूसरों की क्षमा स्वीकार करते हैं।
___I एक स्वस्थ, कार्यशील ईसाई समुदाय का हिस्सा हूं।

चरण 6: *व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करें फिर प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करता है।*

मूल: एक शिष्य का निर्माण डॉ. कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981 पब। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011